भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या : 198

उत्तर देने की तारीख : सोमवार, 2 दिसम्बर, 2019

11 अग्रहायण, 1941 (शक)

एएमएस प्रयोगशालाएं

***198. डॉ. डी. रविकुमार:**

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पुरातत्व उत्खनन में पाई गई वस्तु की तिथि का पता लगाने के लिए ऐक्सेलरेटर मास स्पेक्ट्रॉमिट्री (एएमएस) प्रयोगशाला अनिवार्य है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में कार्यरत एएमएस प्रयोगशालाओं की संख्या कितनी है;

(ग) क्या भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की विश्व- विद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के सहयोग से तमिलनाडु में एएमएस प्रयोगशाला स्थापित करने की कोई योजना है क्योंकि यह राज्य पुरातत्व की दृष्टि से एक समृद्ध राज्य है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (घ) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

लोक सभा में दिनांक 2.12 2019.को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या 198 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) : एएमएस प्रयोगशाला किसी जैविक वस्तु की तिथि का पता लगाने के लिए यंत्रीय तकनीकों में से एक है।

(ख) : भारत में एएमएस प्रयोगशालाएं निम्नलिखित स्थलों पर कार्य कर रही हैं:

i. फिजिकल रिसर्च लैबोरेट्री, अहमदाबाद

ii. इंटर-यूनिवर्सिटी एक्सीलिरेटर सेंटर, नई दिल्ली

(ग) और (घ): जी, नहीं।